14 (HIN–3) 3045

2021

(Held in 2022)

HINDI

Paper : HIN–3045

(Hindī Kā Nibandh Sāhitya)

(हिन्दी का निबन्ध साहित्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. सही विकल्प का चयन करके निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) कन्दर्प देवता के तूणीर में कितने पुष्प-बाणों को स्थान प्राप्त हुआ है ?

(i) छः

(ii) पाँच

(iii) चार

(iv) सात

(ख) रवीन्द्रनाथ की स्वदेश-भक्ति किसकी विरोधिनी नहीं थी ?

(i) भगवद्भक्ति

(ii) पितृभक्ति

(iii) मातृभक्ति

(iv) समाज-भक्ति

(ग) श्रद्धा में पक्ष होते हैं —

(i) दो

(ii) चार

(iii) तीन

(iv) पाँच

(घ) "यदि तोर ..... शुने केउ न आसे
तबे एक्ला चलो रे।।" — यहाँ खाली स्थान के लिए सही शब्द है —

(i) वाक

(ii) बात

(iii) वाग्

(iv) डाक

(ङ) अशोक वृक्ष की पूजा किनकी देन है?

(i) दैत्य-दानव

(ii) देव-देवी

(iii) गन्धर्व-यक्ष

(iv) नर-नारी

(च) दुःख की श्रेणी में प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा है —

(i) क्रोध

(ii) घृणा

(iii) शोक

(iv) ईर्ष्या

(छ) "इस बात का निर्णय मैं विज्ञ पाठकों पर ही छोड़ता हूँ कि ये निबन्ध विषय-प्रधान हैं या व्यक्ति-प्रधान।" — यह कथन किस निबन्धकार का है?

(i) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) विद्यानिवास मिश्र

(iii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ज) 'छितवन की छाँह' नामक निबन्ध-संकलन का प्रकाशन-वर्ष है —

(i) 1953 ई०

(ii) 1963 ई०

(iii) 1957 ई०

(iv) 1959 ई०

(झ) निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल का देहावसान कब हुआ था?

(i) 1936 ई०

(ii) 1940 ई०

(iii) 1937 ई०

(iv) 1942 ई०

(ञ) 'कुटज' निबन्ध-संग्रह के रचयिता हैं —

(i) कुबेरनाथ राय

(ii) विवेकी राय

(iii) रायकृष्ण दास

(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अत्यन्त संक्षेप में दीजिए : 2×7=14

(क) निबन्ध की एक परिभाषा प्रस्तुत कीजिए।

(ख) स्थूल रूप में श्रद्धा कितने प्रकार की कही जा सकती है? वे प्रकार क्या-क्या हैं?

(ग) ललित निबन्ध का तात्पर्य क्या है?

(घ) "जो घर फूँके आपना सो चले हमारे साथ।।" — निबन्धकार द्विवेदी ने घर फूँकने का अर्थ क्या बताया है?

(ङ) 'शिवजी की बारात' निबन्ध में 'बिन घरनी घर भूत का डेरा' — वाला प्रसंग किस रूप में आया है?

(च) "बुढ़ऊ ने देख-सुनकर भी चुप्पी ले ली।" — प्रस्तुत गद्य-पंक्ति का तात्पर्य बताइए।

(छ) श्रद्धा किसे कहते हैं?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) भारतेन्दुयुगीन निबन्धों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) उत्साह का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'अशोक के फूल' नामक निबन्ध के अन्त में निबन्धकार ने क्यों कहा है — 'उदास होना बेकार है।' ?

(घ) हिन्दी निबन्ध को आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी की देन पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'छितवन की छाँह' नामक निबन्ध के माध्यम से निबन्धकार ने क्या कहना चाहा है?

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

मोटे आदमियो! तुम जरा-सा दुबले हो जाते — अपने अंदेशे ही सही — तो न जाने कितनी ठठरियों पर मांस चढ़ जाता।

अथवा

रवीन्द्रनाथ अन्तर्मुख-साधक थे। हल्ला-गुल्ला करके ढोल पीट के, गला फाड़ के लेक्चरबाजी करके जो आन्दोलन किया जाता है, वह उन्हें उचित नहीं जँचता था।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'करुणा' शीर्षक निबन्ध के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) निबन्ध-कला की दृष्टि से 'लज्जा और ग्लानि' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(ग) भारतीय संस्कृति की क्या-क्या देन रही हैं? पठित निबन्ध के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) "भारतीय संस्कृति का उन्मुक्त प्रतिफलन विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में हुआ है।" — पठित निबन्धों के आधार पर इस उक्ति की सार्थकता पर विचार कीजिए।

———